दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

जनसंदेश न्यूज

अतिथियों का स्वागत करते हुए

फाफामऊ। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में शनिवार को पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख श्री महेंद्र कुमार ने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं ऐसे में हमें आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बाद औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि आज दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। दुनिया को सुख एवं शांति का विचार एकात्म मानव दर्शन ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता था। आज दुनिया का कोई भी देश हो वह भारत के साथ इसलिए संबंध रखना चाहता है क्योंकि हमारे यहां बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि परिवार और बाजार का भाव ही सुख शांति दे सकता है। इस विचार को और आगे बढ़ाना है। दुनिया के विकास का मॉडल भारत दे सकता है। आज पूरी दुनिया सुख शांति खोज रही है। परिवार व्यवस्था भारत से अच्छी और कोई नहीं चला सकता। उन्होंने कहा कि पारंपरिक जीवन ही दीनदयाल के विचारों में समाहित है। आज हमें फिर से भारतीय जीवन मूल्य की संकल्पना को साकार करना है। एक तरफ हमें टूटते हुए परिवारों को बचाना है। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समारोह का संचालन सहसंयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर निदेशकए शिक्षकए कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलने पर जोर

प्रयागराज। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख महेंद्र कुमार ने कहा कि हमें आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बाद औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ओमजी गुप्ता, स्वागत प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. संजय सिंह ने किया। ब्यूरो

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ
24 सितम्बर, 2022 (पूर्व संध्या पर)
अध्यक्षता- प्रोफेसर सीमा सिंह
पं. दीन
उपाध्याय जंयती समारोह
संयोजक
जी.एस.शुक्ल
सह- संयोजक
सत्यपाल तिवारी
आयोजन सचिव
कुमार सिंह
पं0 दीन दयाल
पीठ, उ. प्र.राजर्षि टण्डन
लय, प्रयागराज

संयोजक
प्रो० जी.एस.शुक्ल
आयोजक- पं० दीन दयाल

पं. दीन दयाल उपाध्याय
संयोजक
प्रो० जी.एस.शुक्ल
आयोजक- पं० दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ,

आयोजन सचिव
डॉ० संजय कुमार सिंह
प्रयागराज

लोकमित्र
प्रयागराज

दीनदयाल के विचार ही दे सकते हैं दुनिया को सुख शांति: महेंद्र कुमार

पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में शनिवार को पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख महेंद्र कुमार ने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं ऐसे में हमें आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बाद औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा। अगर हम औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए तो हम भारत को श्रेष्ठ भारत नहीं बना सकेंगे। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि आज दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। दुनिया को सुख एवं शांति का विचार एकात्म मानव दर्शन ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता था। आज दुनिया का कोई भी देश हो वह भारत के साथ इसलिए संबंध रखना चाहता है क्योंकि हमारे यहां बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि परिवार और बाजार का भाव ही सुख शांति दे सकता है। इस विचार को और आगे बढ़ाना है। दुनिया के विकास का मॉडल भारत दे सकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय कुशाग्र बुद्धि के थे। उनका जीवन मानवीय मूल्य एवं संवेदना से ओतप्रोत था। आज हमें इस बात के लिए सजग रहना चाहिए कि मानवीय मूल्यों का ह्रास न हो।इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समारोह का संचालन सहसंयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

epaper
हिन्दुस्तान
Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता है भारत

मुविवि

प्रयागराज, संवाददाता । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ की ओर से शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख महेंद्र कुमार ने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता था। आज दुनिया का कोई भी देश हो वह भारत के साथ इसलिए संबंध रखना चाहता है क्योंकि हमारे यहां बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि परिवार और बाजार का भाव ही सुख शांति दे सकता है।

अध्यक्षता कर रहे प्रो. ओमजी गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय कुशाग्र बुद्धि के थे। उनका जीवन मानवीय मूल्य एवं संवेदना से ओतप्रोत था। आज हमें इस बात के लिए सजग रहना चाहिए कि मानवीय मूल्यों का ह्रास न हो। अतिथियों का स्वागत दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समारोह का संचालन सहसंयोजक प्रो. सत्यपाल तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

प्रातःकाल एक्सप्रेस महानद

दीनदयाल के विचार ही दे सकते हैं दुनिया को सुख शांति- महेंद्र कुमार

पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में शनिवार को पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख श्री महेंद्र कुमार ने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं ऐसे में हमें आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बाद औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा। अगर हम औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए तो हम भारत को श्रेष्ठ भारत नहीं बना सकेंगे। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि आज दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। दुनिया को सुख एवं शांति का विचार एकात्म मानव दर्शन ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता था। आज दुनिया का कोई भी देश हो वह भारत के साथ इसलिए संबंध रखना चाहता है क्योंकि हमारे यहां बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि परिवार और बाजार का भाव ही सुख शांति दे सकता। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय कुशाग्र बुद्धि के थे। उनका जीवन मानवीय मूल्य एवं संवेदना से ओतप्रोत था। आज हमें इस बात के लिए सजग रहना चाहिए कि मानवीय मूल्यों का ह्रास न हो। प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल जी ने औद्योगिकीकरण को अपनाने की बात की थी। एकात्म मानववाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करता है। दयाल उपाध्याय विचारक, लेखक, चिंतक एवं उच्च कोटि के पत्रकार थे। पांचजन्य तथा स्वदेश उनके संपादन में निकला। अल्प जीवन काल में उनका कार्य बहुत समय तक याद किया जाएगा। राष्ट्र के प्रति उनका योगदान महत्वपूर्ण है।
इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समारोह का संचालन सहसंयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राएं आदि उपस्थित रहे।

पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन

मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में शनिवार को पूर्व संध्या पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संघ वर्ग प्रमुख महेंद्र कुमार ने कहा कि आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं ऐसे में हमें आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के बाद औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकलना होगा। अगर हम औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए तो हम भारत को श्रेष्ठ भारत नहीं बना सकेंगे। मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि आज दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता बढ़ती जा रही है। दुनिया को सुख एवं शांति का विचार एकात्म मानव दर्शन ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ही एक ऐसा देश है जो पूरी दुनिया को वसुधैव कुटुंबकम के भाव से देखता था। आज दुनिया का कोई भी देश हो वह भारत के साथ इसलिए संबंध रखना चाहता है क्योंकि हमारे यहां बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि परिवार और बाजार का भाव ही सुख शांति दे सकता है। इस विचार को और आगे बढ़ाना है। दुनिया के विकास का मॉडल भारत दे सकता है। आज पूरी दुनिया सुख शांति खोज

रही है। परिवार व्यवस्था भारत से अच्छी और कोई नहीं चला सकता। उन्होंने कहा कि पारंपरिक जीवन ही दीनदयाल के विचारों में समाहित है। आज हमें फिर से भारतीय जीवन मूल्य की संकल्पना को साकार करना है। एक तरफ हमें टूटते हुए परिवारों को बचाना है और दूसरी तरफ लोगों की जो संवेदनाएं मर रही है, उसमें फिर से जान डालनी है। अनेकता में एकता के सूत्र को खोजना ही एकात्म मानववाद है। यही हमारे देश की विविधता है। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए हमें दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को लेकर आगे बढ़ना पड़ेगा।
अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ओमजी गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय कुशाग्र बुद्धि के थे। उनका जीवन मानवीय मूल्य एवं संवेदना से ओतप्रोत था। आज हमें इस बात के लिए सजग रहना चाहिए कि मानवीय मूल्यों का ह्रास न हो। प्रोफेसर गुप्ता ने कहा कि दीनदयाल जी ने औद्योगिकीकरण को अपनाने की बात की थी। एकात्म मानववाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की बात करता है। दयाल उपाध्याय विचारक, लेखक, चिंतक एवं उच्च कोटि के पत्रकार थे। पांचजन्य तथा स्वदेश उनके संपादन में निकला। अल्प जीवन काल में उनका कार्य बहुत समय तक याद किया जाएगा। राष्ट्र के प्रति उनका योगदान महत्वपूर्ण है।
इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के संयोजक प्रोफेसर गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर शोध पीठ के ब्रोशर का विमोचन भी अतिथियों ने किया। समारोह का संचालन सहसंयोजक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ संजय कुमार सिंह ने किया।